

Jai Lakshmi Mata Maiya - Aarti

Jai Lakshmi Maata, Maiya jai Lakshmi Maata

Jai Lakshmi Maata, Maiya jai Lakshmi Maata
Tum ko nish din sewat, Har Vishnu Bidhaata, **Om Jai Lakshmi Maata**

Uma, Ramaa, Bramhaani, Rudraani, Tu hi jug Maata
Suriye Chandrama dhyawat, Naarad rishi gaata, **Om Jai Lakshmi Maata**

Durga roop niranjani, Sukh sampati data
Jo koi tumko dhyawat, riddhee sidhee dhun paata, **Om Jai Lakshmi Maata**

Tum paatal niwaasni, Tu hi hai shubh data
Karma prabhaaw prakaashni, bhawnidhi ki tarata, **Om Jai Lakshmi Maata**

Jis ghar tum rahtee, tahan sub sudgun aata
Sab sambhaw ho jaata, Mun nahin ghabraata, **Om Jai Lakshmi Maata**

Tum bin yagya na hote, Wastra na koi paata
Khaan Paan ka baybhaw, Sub tumse aata, **Om Jai Lakshmi Maata**

Shubh gum mandir sundar, Chrirodadhi jata
Ratan chaturdash tum bin, Koi nahin paata, **Om Jai Lakshmi Maata**

Mahaa Kakshmi Jiki arti, Jo koi jan gaata
Ur anand samaata, Paap utar jata, **Om Jai Lakshmi Maata**

जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता ।
तुम को निशदिन सेवत, हर बिष्णु विधाता । ॐ जय.....

उमा, रमा ब्रह्माणी, स्ट्राणी, तू ही जग माता ।
सूर्य चंद्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता । ॐ जय.....

दुर्गा रूप निरंजनि, सुख सम्पति दाता ।
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि सिद्धि धन पाता । ॐ जय.....

तुम पाताल निवासिनी, तू ही है शुभ दाता ।
कर्म प्रभाव प्रकाशिनी, भवनिधि की त्राता । ॐ जय.....

जिस घर तुम रहती, तहं सब सदगुण आता ।
सब संभव हो जाता, मन नहीं घबराता । ॐ जय.....

तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता ।
खान पान का वैभव, सब तुम से आता । ॐ जय.....

शुभ गुण मन्दिर सुन्दर, क्षीरोदधि जाता ।
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता । ॐ जय.....

महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई जन गाता ।
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता । ॐ जय.....
